No. of Printed Pages : 4 Roll No……

ED-2093(S)

B.A. (Part–I)
Suppl. EXAMINATION, 2021
HINDI LITERATURE
Paper First

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time : Three hours

Maximum Marks : 75

नोट– *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **21**

(क) भगति भजन हरि नाव है, दूजा दुक्ख अपार।
मनसा वाचा कर्मनां, कबीर, सुमिरोण सार।।
कबीर कहै मैं कथि गया, कथि गया ब्रह्म महेश।
राम नाम तत्सार है, सब काहू उपदेश।।

अथवा

जेठ जरै जग, चलै लुवारा। उठहि बवंडर परहि अँगारा।।
बिरह गाजि हनुवंत होइ जागा। लंका-दाह करै तनु लागा।।
चारिहु पवन झकौरे आगी। लंका दाहि पलंका लागी।।
दहि भइ साम नद कालिंदी। बिरह क आगि कठिन अति मंदी।।
उठे आगि औ आवै आंधी। नैन न सूझ, मरौ दुःख बांधी।।

(ख) पथिक! संदेशो कहियो जाय।
आवेंगे हम दोनों भैया, भैया जनि अकुलाय।।
याको विलग बहुत हम मान्यो जो कहि पठ्यो धाय।
कहैलों कीर्ति मानिए तुम्हरी बड़ो कियो पय प्याय।।
कहियो जाय नंद बाबा सों, अरु गहि पकर्यो पाय।
दोऊ दुःखी होन नहिं पावहिं धूमरी धौरी गाय।।
यद्यपि मथुरा विभव-बहुत है तुम बिनु कछु न सुहाय।
सूरदास ब्रजवासी लोगनि भेंटत हृदय जुड़ाय।।

अथवा

आयो घोष बड़ो व्यौपारी।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आय उतारी।।
फाटक दैकर हाटक माँगत भोरैं निपट सुधारी।
धुर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारी।।
इनके कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी?
अपनो दूध छाँडि को पीवै खार कूप को पानी।।
ऊधो जाहु यहाँ तें बेंगि गहरू जानि लावौ।
मुँह भाग्यौ पैहो सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ।।

(ग) बाल सखा सुनि हियं हरषाही। मिलि दस पाँच राम पहिंजाहीं।।
प्रभु आदरहिं प्रमु पहिचानी। पूछहिं कुसल खेम मृदु बानी।।
फिरहिं भवन प्रिय आयसु पाई। करत परसपर राम बढ़ाई।।
को रघुवीर सरिस संसारा। सीलु सनेहु निबाह निहारा।।
जेहिं जेहिं जोनि करम बस भ्रमहीं। तहं तहं ईसु देउ यह हमहीं।।
सेवक हम स्वामी सियनाहू। होउ नात यह ओर निबाहू।।

अथवा

रावरे रूप की रीति अनूप,
नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।
त्यों इन आँखिन बानि अनोखी,
अधनि कहूँ नहिं आन तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सु तौ वारियो,
सुजान सकोच और सौच सहारियै।
रोकी रहै न, दहै घन आनंद बादरी रीझ के हाथिनी हारियै।।

2. ''रहस्यवादी कवियों में कबीर का स्थान सर्वोच्च है।'' शुद्ध रहस्यवाद उनके साहित्य में ही दृष्टिगोचर होता है। **8**

अथवा

नागमति वियोग खण्ड के संदर्भ में जायसी के विरह वर्णन का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए।

3. ''सुर के काव्य में जितनी सहृदयता और भावुकता है, उतनी ही वाक्पटुता भी है।'' 'भ्रमर गीतसार' के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए। **8**

अथवा

तुलसीदास की भक्ति भावना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. सगुण भक्ति काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **8**

अथवा

घनानंद के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए– **18**

(1) विद्यापति की भाषा,
(2) रसखान की भक्ति भावना,
(3) रीतिमुक्त काव्यधारा,

(4) रहीम की भाषा,
(5) कबीर की प्रासंगिकता।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **12**

(1) 'तू बाम्हन मैं काशी जुलाहा' किस कवि का कथन है?
(2) जायसी ने पद्मावत में किस भाषा का प्रयोग किया है?
(3) सूरदासजी के गुरु का नाम बताइए।
(4) किस कवि को मैथिल कोकिल कहा गया है?
(5) कबीर के 'साखी' शब्द का क्या अर्थ है?
(6) रहीम कवि का पूरा नाम क्या था?
(7) रत्नसेन की रानी का नाम क्या था?
(8) रसखान के काव्य में किस रस की प्रधानता है?
(9) दो सौ बावन वैष्णवों की वार्ता किसकी रचना है?
(10) रामचरित मानस का पहला काण्ड कौन-सा है?
(11) 'अभिनव' जयदेव की उपाधि किस कवि को दी गई?
(12) कबीरदास जी को 'वाणी का डिक्टेटर' किनके द्वारा कहा गया है?
(13) 'पद्मावत' महाकाव्य के प्रमुख पात्र का नाम लिखिए।
(14) समन्वयवादी कवि किसे माना गया है?
(15) किस कवि के दोहे सूक्तियों के कारण प्रसिद्ध हैं?
(16) पद्मावत में हीरामन तोता किसका प्रतीक है?